इंदौर | रविवार | 20 सितंबर 2026 | वर्ष 66 | अंक 238 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

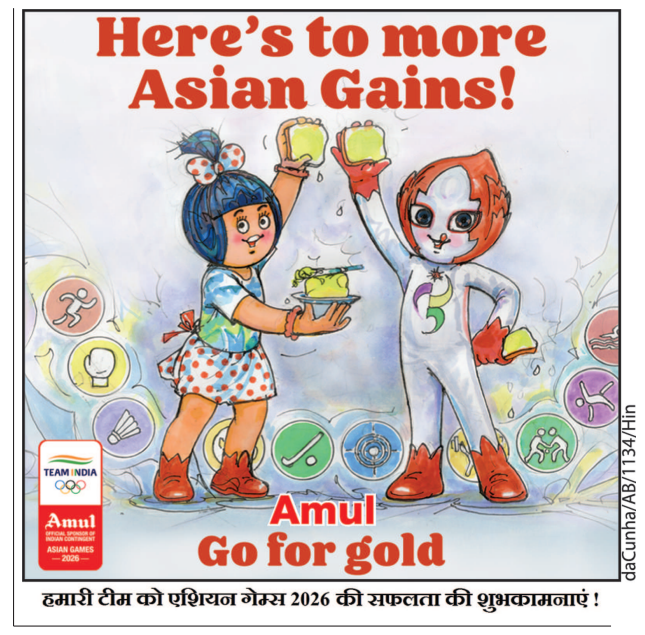

हमारी टीम को एशियन गेम्स 2026 की सफलता की शुभकामनाएं !

'छात्रों की गूंज' में बोले राहुल गांधी-शिक्षा, रोजगार और संस्थानों पर चुनिंदा लोगों का कब्जा

सिस्टम को सवाल नहीं, अंधभक्त चाहिए

नवभारत न्यूज

इंदौर, 19 सितंबर. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं. उनमें जिज्ञासा, सवाल पूछने का साहस, मानवीय संवेदना और ईमानदारी होनी चाहिए. लेकिन देश का सिस्टम सवाल पूछने वाले छात्रों के बजाय अंधभक्त चाहता है. अंधभक्त नफरत फैलाता है और डर में जीता है, जबकि छात्र निडर और ईमानदार होता है. वे 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्रों से संवाद कर रहे थे.

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश के पूरे सिस्टम पर छह लोग कब्जा करके बैठे हैं- नरेंद्र मोदी, अमित शाह, अजीत डोभाल, मोहन भागवत, मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी. उन्होंने कहा कि इनके नीचे तीन-चार सौ लोगों का नेटवर्क है, जिनके बच्चे भारत के बजाय अमेरिका में पढ़ रहे हैं. राहुल ने आरोप लगाया कि देश के संस्थानों और कारोबार पर चुनिंदा लोगों का प्रभाव बढ़ रहा है.

उन्होंने अजीत डोभाल के हवाले से कहा कि देश में सत्ता के लिए 500 लोगों को ताकत देने की सोच है. राहुल ने संचार व्यवस्था, मोबाइल और ऐप पर नियंत्रण के प्रयासों का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि कारोबार के बड़े हिस्से पर अदाणी और अंबानी का प्रभाव है तथा बड़े कॉन्ट्रैक्ट उन्हें दिए जाते हैं.

शिक्षा बजट घटने का दावा

राहुल गांधी ने कहा कि 2014 में शिक्षा का बजट कुल बजट का 4.6 प्रतिशत था, जो अब 2.6 प्रतिशत रह गया है. उन्होंने दावा किया कि इससे शिक्षा क्षेत्र में 7.7 लाख करोड़ रुपए कम हुए हैं. पिछले 12 वर्षों में डेढ़ करोड़ छात्रों की छात्रवृत्ति छीने जाने और देश में 10 लाख शिक्षक पद खाली होने का भी दावा किया. उन्होंने कहा कि स्कूल, मिड-डे मील, कॉलेज और रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है. प्रभावी शिक्षा व्यवस्था के बजाय सिस्टम को पीछे ले जाया जा रहा है.

'रॉक स्टार शो', उमड़ा युवाओं का सैलाब

उत्साही छात्र राहुल की कार तक पहुंचे

इंदौर में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम युवाओं के बड़े जमावड़े का गवाह बना. कार्यक्रम स्थल के भीतर मौजूद छात्रों से कई गुना अधिक युवा बाहर सड़कों पर नजर आए. आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में एक लाख से अधिक छात्र और युवा शामिल हुए. भंवरकुआं से कार्यक्रम स्थल तक करीब डेढ़ किलोमीटर के क्षेत्र में सड़कें छात्रों और युवाओं से भरी रहीं. भीड़ को देखते हुए पुलिस और इवेंट टीम को व्यवस्था संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी.

राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम इससे पहले कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में हो चुका है. इंदौर में जुटी भीड़ को लेकर कांग्रेस नेताओं और आयोजकों ने इसे पिछले कार्यक्रमों से बड़ा बताया. कार्यक्रम स्थल के आसपास की सड़कें छात्र-छात्राओं और युवाओं से पटी रहीं. कई स्थानों पर भीड़ के कारण आवाजाही प्रभावित हुई.

कार्यक्रम का माहौल राजनीतिक सभा से अधिक युवाओं के बड़े शो जैसा नजर आया. राहुल गांधी के मंच पर आते ही 'राहुल-राहुल' के नारे गूंजने लगे. रॉक स्टार परफॉर्मेंस के दौरान छात्र-छात्राओं के साथ कांग्रेस नेता भी झूमते नजर आए.

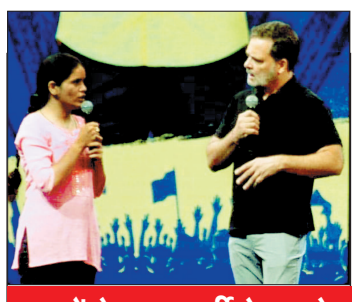

छात्रों ने उठाए भर्ती के मुद्दे

कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए छात्रों ने पीएससी, व्यापमं, पटवारी, नर्सिंग और कृषि भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मुद्दे उठाए. बेरोजगारी, आरक्षण, सरकारी नौकरियों में भेदभाव और बाल विवाह जैसे विषयों पर भी सवाल किए गए. राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षा हर छात्र का अधिकार है. उन्होंने दावा किया कि देश में एक लाख स्कूल बंद हुए हैं, जिनमें 55 प्रतिशत मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के हैं. उन्होंने कहा कि देश में 100 में से केवल 14 बच्चों को रोजगार मिल रहा है और बाकी बेरोजगारी से जूझ रहे हैं. कार्यक्रम में सामान्य छात्रों के साथ आदिवासी समाज के युवाओं ने भी राहुल गांधी के सामने अपनी समस्याएं रखीं. शिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई और सरकारी नौकरियों से जुड़े सवाल उठे. छात्रों ने व्यवस्था और शिक्षा तंत्र की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी. मंच से उठती आवाजों में युवाओं की अपेक्षाओं और असंतोष की झलक दिखाई दी.

विद्यार्थियों के सपनों को पंख देगी स्कूटी : सीएम

नवभारत न्यूज

भोपाल, 19 सितंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विद्यार्थियों के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है.

आर्थिक कठिनाइयों या संसाधनों की कमी के कारण किसी भी प्रतिभावान विद्यार्थी की प्रगति नहीं रुकनी चाहिए. विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना परिवार, समाज और सरकार का दायित्व है.

शनिवार को सुभाष स्कूल में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत स्कूटी वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान प्रदेश के 7400 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरित की गई. डॉ. यादव ने कहा कि स्कूटी केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा और परिश्रम का सम्मान तथा उनके आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रोत्साहन है.

योजना का लाभ उन विद्यार्थियों को दिया जा रहा है, जिन्होंने कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है. सरकार विद्यार्थियों को नि:शुल्क किताबें, गणवेश और साइकिलें उपलब्ध करा रही है. प्रदेश के बच्चे अब पारंपरिक व्यवसायों और खेती-किसानी में भी नई संभावनाएं तलाश रहे हैं. कई विद्यार्थी कृषि आधारित उद्यम शुरू कर परिवार की आय बढ़ाने का सपना देख रहे हैं.

शिक्षा बजट में बढ़ोतरी का दावा

वर्ष 2025-26 में प्रदेश के कुल 4 लाख 38 हजार करोड़ रुपए के बजट में स्कूल शिक्षा के लिए 38 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने के लिए लगातार काम कर रही है. डॉ. यादव ने कहा कि 2002-03 में प्राथमिक स्कूलों में ड्रॉपआउट दर 16 प्रतिशत थी, जो अब शून्य हो चुकी है. प्रदेश में सर्वसुविधायुक्त सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं.

नलखेड़ा में कार बही, 8 की मौत

मंदिर के पास पुलिया पर हादसे का शिकार हुए श्रद्धालु

नवभारत न्यूज नेटवर्क

आगर मालवा/शाजापुर, 19 सितंबर. मां बगलामुखी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के साथ बीती रात दर्दनाक हादसा हो गया. मंदिर के समीप स्थित नाले पर बनी पुलिया से गुजरते समय श्रद्धालुओं से भरी कार तेज बारिश के बीच नाले के तेज बहाव में बह गई.

हादसे में कार सवार 3 बच्चों, 3 पुरुषों और 2 महिलाओं सहित 8 लोगों की मृत्यु हो गई. कार में सवार श्रद्धालु ओडिशा के रहने वाले थे, जबकि ड्राइवर अरुण गोयल आगर मालवा का रहने वाला था. वे मां बगलामुखी के दर्शन के लिए नलखेड़ा पहुंचे थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है.

श्रद्धालुओं ने उज्जैन से किराए पर कार ली थी और उसी से नलखेड़ा आए थे. रात में बारिश के दौरान मंदिर के समीप स्थित नाले में पानी का बहाव बढ़ गया था. इसी दौरान कार पुलिया से गुजर रही थी. पानी के तेज बहाव की चपेट में आने से कार नाले में बह गई.

प्रशासन की लापरवाही

स्थानीय लोगों के अनुसार जिस पुलिया पर ये घटना हुई वो मंदिर के पास है और आने जाने का एकमात्र रास्ता है. फिर भी जिला प्रशासन ओर नलखेड़ा नगर पालिका ने इस पुलिया को ना ठीक कराया ना ऊंचा किया. ये घटना अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही का नतीजा है.

कानून बना, टैरिफ अभी नहीं

रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100% टैरिफ बिल पर ट्रंप के साइन

वॉशिंगटन, एजेंसी, 19 सितंबर. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर नए प्रतिबंधों से जुड़े कानून 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर कर दिए हैं. इसके साथ ही अमेरिका के पास रूस से बड़े पैमाने पर तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का कानूनी अधिकार आ गया है.

हालांकि, कानून के लागू होते ही भारत पर 100% शुल्क अपने आप नहीं लगा है. प्रस्तावित कार्रवाई के लिए अमेरिकी प्रशासन को कानून में दिए अधिकारों का इस्तेमाल करना होगा. अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने इस विधेयक को 262-159 मतों से मंजूरी दी थी. इससे पहले सीनेट में इसे 86-11 मतों से पारित किया गया था. राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून प्रभावी हो गया है.

भारत के लिए दोनों राह मुश्किल

भारत रूसी कच्चे तेल के बड़े खरीदारों में शामिल है. यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूस से मिलने वाले अपेक्षाकृत सस्ते क्रूड की खरीद बढ़ाई. इससे रूस भारत के प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ताओं में शामिल हो गया. यदि अमेरिकी प्रशासन भारत पर अधिकतम 100% टैरिफ लागू करता है, तो इससे कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा, रसायन और समुद्री उत्पाद जैसे क्षेत्रों पर असर पड़ने की संभावना है. दूसरी रूस से आयात कम करने की स्थिति में भारतीय कंपनियों को इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, नाइजीरिया, अंगोला, ब्राजील और अमेरिका जैसे अन्य स्रोतों से खरीद बढ़ानी पड़ सकती है. वैकल्पिक आपूर्ति की कीमतें, परिवहन लागत और अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थिति भारतीय रिफाइनरियों की लागत को प्रभावित कर सकती हैं.

इसमें रूस के ऊर्जा क्षेत्र, वित्तीय संस्थानों, रक्षा नेटवर्क और उन जहाजों पर कार्रवाई का प्रावधान है, जिनका इस्तेमाल प्रतिबंधों से बचते हुए रूसी तेल की ढुलाई में किया जाता है. ऐसे जहाजों के नेटवर्क को आम तौर पर रूस का 'शैडो फ्लीट' कहा जाता है.

जनकल्याण | 20वें रोजगार मेले में युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, पीएम ने वर्चुअल किया संबोधित

51 हजार युवाओं को मोदी ने बांटे नियुक्ति पत्र

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली, 19 सितंबर. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 20वें रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी संगठनों में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए. इस अवसर पर मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार पिछले कुछ वर्षों से युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए आवश्यक कौशल और अवसर उपलब्ध कराने पर लगातार ध्यान दे रही है.

उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास यह भी सुनिश्चित करना है कि देश के युवाओं की शिक्षा और कौशल बदलती अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप हों. प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ाने के लिए भी काम कर रही है. इसी उद्देश्य से करीब एक लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू की गई है. इस योजना के अंतर्गत करीब दो करोड़ युवाओं के पहली बार कार्यबल में शामिल होने की उम्मीद है. मोदी ने कहा कि योजना के अंतर्गत पहली नौकरी पाने वाले युवाओं को सरकार 15 हजार रुपये तक की प्रोत्साहन राशि दे रही है, साथ ही अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा करने वाले नियोक्ताओं को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है.

> प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिससे देश के युवाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खुल रहे हैं. इन समझौतों से उद्यमियों के लिए नई साझेदारियों और बाजारों का रास्ता खुला है तथा युवाओं के लिए रोजगार और करियर के नए अवसर पैदा हुए हैं. उन्होंने कहा कि देश के युवाओं की प्रतिभा और कौशल ने पूरी दुनिया का भरोसा जीता है. श्री मोदी ने कहा कि दुनिया को भारत के नवाचारकर्ताओं, उद्यमियों और युवा शक्ति से बड़ी उम्मीदें हैं.

अंडे-टमाटर से गरमाई पंजाब की सियासत

नवभारत न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़, 19 सितंबर. पंजाब में रवनीत सिंह बिट्टू के काफिले पर हमले के बाद विवाद और बढ़ गया है. शुक्रवार को बटाला के पास बिट्टू ने आरोप लगाया था कि उनके काफिले पर अंडे, टमाटर और पत्थर फेंके गए.

अगले ही दिन वह लुधियाना में मुख्यमंत्री भगवंत मान के काफिले के पास प्रदर्शन करते हुए हिरासत में ले लिए गए. बिट्टू के कार्यालय के मुताबिक, वह हमले में फेंके गए अंडों के छिलके और दूसरी चीपंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी तापमान बढ़ता जा रहा है. बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को शनिवार को लुधियाना में पुलिस ने हिरासत में ले लिया. मामला मुख्यमंत्री भगवंत मान के काफिले के सामने किए गए प्रदर्शन से जुड़ा है. इससे पहले शुक्रवार को बिट्टू ने बटाला के पास अपने काफिले पर अंडे, टमाटर और पत्थर फेंके जाने का आरोप लगाया था. बिट्टू पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी यानी पीएयू के गेट पर पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री भगवंत मान का कार्यक्रम था. वह अपने ऊपर हमले के दौरान फेंके गए अंडों के छिलके और दूसरी चीजें मुख्यमंत्री को सौंपना चाहते थे.

सीएम मान के काफिले तक पहुंचा विरोध प्रदर्शन, हिरासत में रवनीत बिट्टू